# ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे सांवरे

ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे सांवरे,
मुझको तेरे सिवा कुछ नहीं चाहिए,
तेरे दर की मिले जोगुलामी मुझे,
दो जहाँ की हुकूमत नहीं चाहिए,
ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे सांवरे.....

तेरे गम से बड़ी है मोहब्बत मुझे,
मुझको झूठी मुसर्रत नहीं चाहिए,
है मसीहा मेरे मैं वो बीमार हूँ,
जिसको दुनिया की राहत नहीं चाहिए,
ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे साँवरे.....

मेरी शान-ए-फकीरी सलामत रहे,
मेरे दिल में तुम्हारी मोहब्बत रहे,
मेरे दिल पे तेरी बादशाहत रहे,
मुझको इसके सिवा कुछ नहीं चाहिए,
ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे साँवरे.....

तेरी करुणा पे मुझको बड़ा नाज है,
मैं हूँ चाकर तू मेरा सरताज है,
दूर कर दे जो सांवल तेरे प्यार से,
ऐसी शान और शौकत नहीं चाहिए,
ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे साँवरे.....

ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे सांवरे,
मुझको तेरे सिवा कुछ नहीं चाहिए.....

**स्वर** : चित्र विचित्र

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3278/title/ae-mere-pran-pritam-mere-sanware-mujhko-tere-siwa-kuch-nhi-chahiye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |